नई शिक्षा नीति के अधीन प्राथमिक शिक्षा को बढ़ावा

1543. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि नई शिक्षा नीति के अधीन प्राथमिक शिक्षा के संवर्धन के संबंध में बनाई गई योजना सरकार को राज्य सरकारों तथा संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त हो गई है;

(ख) यदि हां, तो इस योजना में कुल कितनी राशि अंतर्ग्रस्त है;

(ग) क्या सरकार ने इस योजना को क्रियान्वित करने के लिए राज्य सरकारों की मांग के अनुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध करा दी है; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में प्रत्येक राज्य को उनके द्वारा मांगी गई राशि का कितने प्रतिशत सहायता दी है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय मे शिक्षा और संस्कृति विभागों मे राज्य मंत्री (श्री एल० पी० साही): (क) से (घ) राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 के संदर्भ में, वर्ष 1987-88 में दो नई केन्द्रीय प्रायोजित योजनाएं अर्थात् आपरेशन ब्लैकबोर्ड योजना तथा गैर औपचारिक शिक्षा योजना (संशोधित पद्धति) प्राइमरी शिक्षा को प्रौन्नत करने के लिए आरंभ की गयीं थी। आपरेशन ब्लेकबोर्ड योजना के अंतर्गत वर्ष 1987-88 में सभी एकल शिक्षा वाले स्कूलों में दूसरे शिक्षक के प्रावधान हेतु तथा केन्द्रीय प्रतिनिधियों सहित राज्य सरकारों द्वारा गठित राज्य स्तरीय अधिकार प्राप्त समितियों के अनुमोदन के आधार पर 1,13,417 प्राइमरी स्कूलों में आवश्यक अध्ययन अध्यापन उपकरण के प्रावधान हेतु 24 राज्यों तथा 3 संघ शासित क्षेत्रों को शतप्रतिशत केन्द्रीय सहायता दी गयी थी। कुल मिलाकर 110.61 करोड़ रुपये की राशि मुक्त की गयी थी। वर्ष 1988-89 में अब तक, राज्य स्तरीय अधिकार प्राप्त समितियों द्वारा 103 66 करोड़ रुपये की राशि अनुमोदित की गयी है।

गैर औपचारिक शिक्षा योजना के अंतर्गत केन्द्रीय सहायता निम्नलिखित तरीके से दी जाती है:—

i) गैर औपचारिक शिक्षा सह शिक्षा केन्द्र	50:50	केन्द्र राज्य की भागीदारी के आधार पर
ii) गैर औपचारिक शिक्षा कन्या केन्द्र	90:10	केन्द्र राज्य की भागीदारी के आधार पर
iii) स्वैच्छिक एजेंसियों द्वारा चलाए जा रहे गैर औपचारिक शिक्षा केन्द्र		शत-प्रतिशत केन्द्रीय सहायता

वर्ष 1987-88 में 16 राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों को 3803.84 लाख रु० की राशि संस्वीकृत की गयी थी तथा वर्ष 1988-89 में 2512.04 लाख रुपये की राशि अब तक संस्वीकृत की गयी है।

घाटे में चल रही रेलगाड़ियां

1544. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि रेलवे कुछ रेलगाड़ियों को ऐसे मार्गों पर चला रहा है कि वे लगातार घाटे में ही चल रही हैं;

(ख) यदि हां, तो 1986-87 में इस प्रकार घाटे में चलने वाली गाड़ियों के नाम क्या हैं और इनसे उस वर्ष मे कितना घाटा हुआ;

(ग) क्या सरकार ने इन मार्गों मे सुधार करने तथा उन्हें आर्थिक रूप से लाभप्रद बनाने के लिए कोई योजना लागू की है;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है?